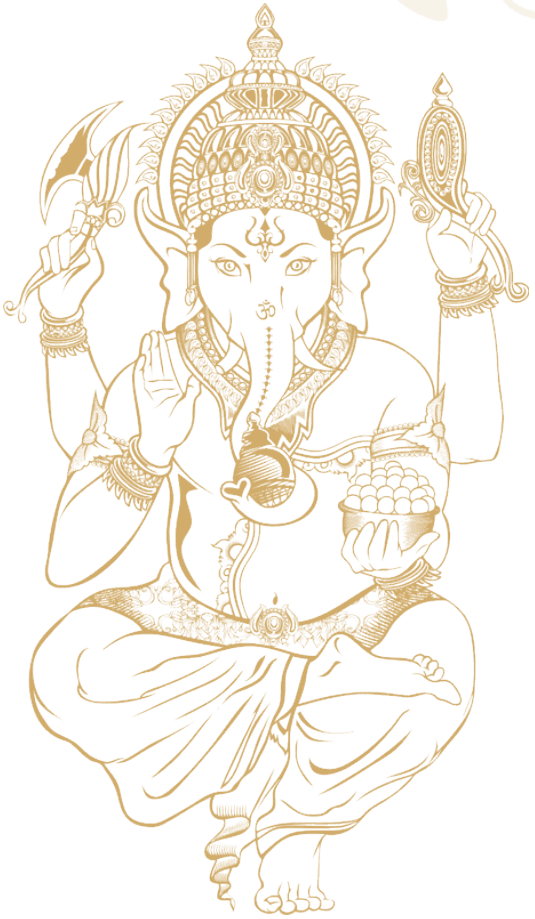

Ridhi Sharma

27 Oct 2001

03:22 PM

Theog

Model: web-freekundliweb

Order No: 121357702

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**27/10/2001**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**15:22:00 घंटे**
इष्ट	22:04:40 घटी
स्थान	**Theog**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:07:00 उत्तर
रेखांश	77:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:01:24 घंटे
वेलान्तर	00:16:09 घंटे
साम्पातिक काल	17:24:43 घंटे
सूर्योदय	06:32:08 घंटे
सूर्यास्त	17:36:36 घंटे
दिनमान	11:04:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	10:10:10 तुला
लग्न के अंश	23:09:30 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वृद्धि
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सी-सीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	23:09:30	525:14:32	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	---
सूर्य			तुला	10:10:10	00:59:52	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			कुंभ	15:58:38	11:53:06	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
मंगल			मक	05:54:37	00:41:00	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	उच्च राशि
बुध			कन्या	22:00:14	00:43:40	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
गुरु			मिथु	21:45:00	00:01:14	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	20:56:45	01:14:47	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शनि	व		वृष	20:16:16	00:03:08	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	04:59:39	00:06:58	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	उच्च राशि
केतु	व		धनु	04:59:39	00:06:58	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	27:02:14	00:00:11	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप			मक	12:08:22	00:00:19	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	19:45:16	00:01:53	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			वृश्चि	28:00:55	--	ज्येष्ठा	--	18	मंगल	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:39

लग्न-चलित

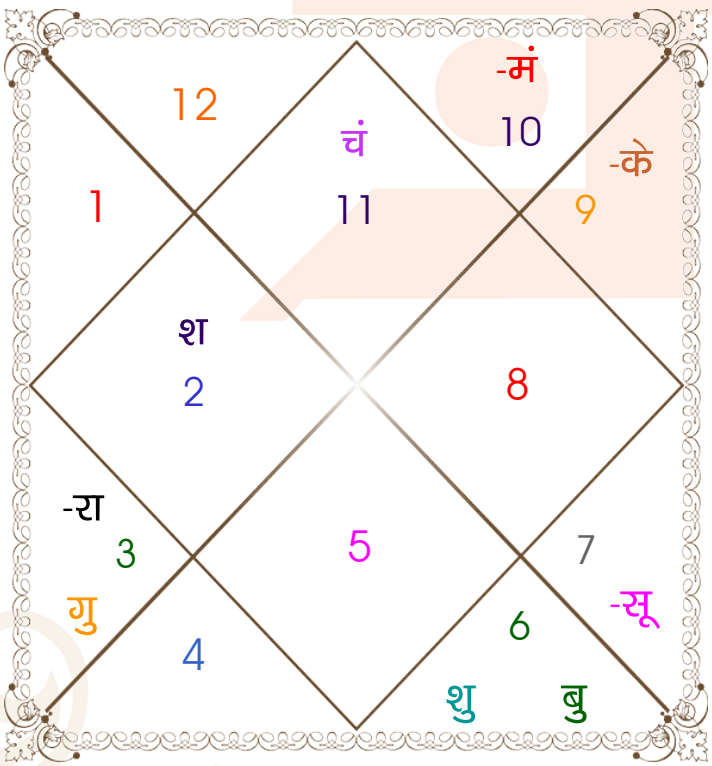

चन्द्र कुंडली

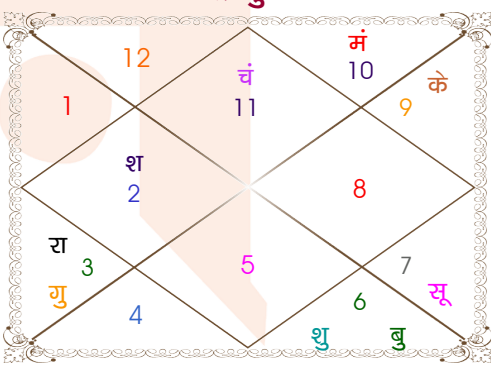

नवमांश कुंडली

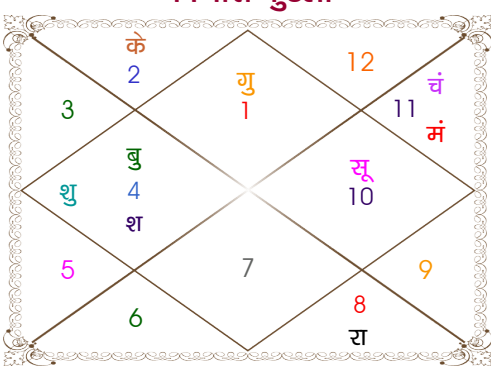

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 5 वर्ष 5 मास 5 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
27/10/2001		03/04/2007		03/04/2023		03/04/2042		03/04/2059	
03/04/2007		03/04/2023		03/04/2042		03/04/2059		03/04/2066	
	00/00/0000	गुरु	21/05/2009	शनि	06/04/2026	बुध	29/08/2044	केतु	30/08/2059
	00/00/0000	शनि	02/12/2011	बुध	14/12/2028	केतु	26/08/2045	शुक्र	29/10/2060
	00/00/0000	बुध	09/03/2014	केतु	23/01/2030	शुक्र	26/06/2048	सूर्य	06/03/2061
	00/00/0000	केतु	13/02/2015	शुक्र	24/03/2033	सूर्य	03/05/2049	चंद्र	05/10/2061
	27/10/2001	शुक्र	14/10/2017	सूर्य	06/03/2034	चंद्र	02/10/2050	मंगल	03/03/2062
शुक्र	21/10/2003	सूर्य	02/08/2018	चंद्र	05/10/2035	मंगल	29/09/2051	राहु	22/03/2063
सूर्य	13/09/2004	चंद्र	02/12/2019	मंगल	13/11/2036	राहु	18/04/2054	गुरु	26/02/2064
चंद्र	15/03/2006	मंगल	07/11/2020	राहु	20/09/2039	गुरु	24/07/2056	शनि	05/04/2065
मंगल	03/04/2007	राहु	03/04/2023	गुरु	03/04/2042	शनि	03/04/2059	बुध	03/04/2066

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
03/04/2066		03/04/2086		02/04/2092		04/04/2102		03/04/2109	
03/04/2086		02/04/2092		04/04/2102		03/04/2109		00/00/0000	
शुक्र	02/08/2069	सूर्य	21/07/2086	चंद्र	31/01/2093	मंगल	31/08/2102	राहु	15/12/2111
सूर्य	02/08/2070	चंद्र	20/01/2087	मंगल	01/09/2093	राहु	18/09/2103	गुरु	10/05/2114
चंद्र	02/04/2072	मंगल	28/05/2087	राहु	03/03/2095	गुरु	24/08/2104	शनि	16/03/2117
मंगल	02/06/2073	राहु	20/04/2088	गुरु	02/07/2096	शनि	03/10/2105	बुध	03/10/2119
राहु	02/06/2076	गुरु	07/02/2089	शनि	01/02/2098	बुध	30/09/2106	केतु	21/10/2120
गुरु	01/02/2079	शनि	19/01/2090	बुध	03/07/2099	केतु	26/02/2107	शुक्र	28/10/2121
शनि	03/04/2082	बुध	26/11/2090	केतु	01/02/2100	शुक्र	27/04/2108		00/00/0000
बुध	31/01/2085	केतु	03/04/2091	शुक्र	03/10/2101	सूर्य	02/09/2108		00/00/0000
केतु	03/04/2086	शुक्र	02/04/2092	सूर्य	04/04/2102	चंद्र	03/04/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 5 वर्ष 5 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद के प्रथम चरण में कुंभ लग्न, मेष नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण में हुआ था। समन्वित जन्म लग्नादि आकृति से यह निर्दिष्ट हो रहा है कि आपका जीवन सुखद रहेगा। ऐसी आशा है कि आप पर जन्म लग्न का प्रभाव उत्तम प्रकार पड़ेगा तथा आप प्रभावित होकर प्रतिरक्षा की सेवा में उच्च स्तर तक उन्नति कर सकती हैं।

आप में सभी प्रकार के नेतृत्व करने के गुण-विद्यमान हैं। परंतु आपका हृदय अर्थात् आपका स्वभाव गर्म नहीं है। आपका आचरण प्रतिकूल नहीं है। आप में मानवता है तथा आप सदैव दूसरों के लिए सहायक हैं। आप स्वभाव से वाचाल हैं। आप अपने शिष्यों पर अच्छा प्रभाव रखती हो एवं आप अपने सगे संबंधियों एवं मित्र से युक्त रह कर प्रसन्न रहती हो।

आप एक विश्वासी और आलस्य से मुक्त रहती हो। आप अत्यंत संवेदनशील एवं शीघ्रता पूर्वक किसी भी कार्य को संपन्न करने वाली हो। आप अपना दायित्व सुव्यवस्थित ढंग से शीघ्रता पूर्वक निभाती हैं। आप सपत्नीक अपना अधिकार एवं संपत्ति को ध्यान में रख कर धन उर्पाजन हेतु प्रयत्नशील रहती हो। आप धनी बनने में सफल हो जाओगी।

आप संवेदनशील विषयों के प्रति रूचिवान रहती हो। प्रस्तुत छवि के अनुसार आप स्वभाव से एक दम परम्परागत प्राणी लगती हो। आप विवेकशील एवं स्वच्छ हृदय की प्राणी हों। आप किसी भी तथ्य की भली प्रकार गहराई से अध्ययन करती हो एवं नवीनतम प्रक्रिया तथा प्रभावशाली ढंग से उस कार्य को संचालित करती हो। आप में एक अच्छे नेतृत्व के गुण विद्यमान हैं। आप इस स्रोत से क्या लाभ या हानि होगा। इसका परीक्षण कर सकती हों।

आप अपने पति के साथ मात्र संभोगात्मक भावना से ही व्यवहार नहीं करती परंतु सर्वथा अपने पति की अभिव्यक्ति को समझने एवं उसकी राय को महत्त्व देने के लिए तत्पर रहती हो। आप एक सुव्यवस्थित पारिवारिक जीवन बिताना चाहते हैं तथा पति एवं बच्चों के सुखमय जीवन व्यतीत करने के लिए बहुत अधिक मात्रा में सुव्यवस्था करती हो। आप अपने कार्य व्यवसाय हेतु संबंधित कार्य यथा भाषा कार्य, धर्म दर्शन शास्त्र, ज्योतिषीय, शिक्षण कार्य, वकालत एवं राजनीति कार्य में से किसी कार्य को अपनी इच्छानुसार चयन कर सकती हो।

किसी भी प्रकार से आपका स्वास्थ्य सदैव उत्तम रहेगा तथा आप इसें किसी भी प्रकार से आपत्तिजनक नहीं समझती हो। आप उत्तम स्वास्थ्य बनाए रखेंगी। परंतु जब आपकी आयु अधिक हो जाएगी तब ऐसा हो सकता है कि जॉनडिस, रक्तचाप, हृदय संबंधी दिक्कतें से आप अद्योगति को प्राप्त हो जाएं। इन रोगादिक कारणों से यह सुनिश्चित नहीं है कि आप प्रभावित हो जाएं। परंतु यह विचारणीय है कि इन संभावनाओं के प्रति सुरक्षात्मक कदम समय से पूर्व उठाना चाहिए।

अतएव कुंभ राशीय प्रभाव के अनुसार बार-बार सर्दी जुकाम, अथवा शीत जनित प्रभाव के रोगादि से संभलकर रहना चाहिए तथा इन बिंदुओं पर चिकित्सक की राय सदैव लेते रहना चाहिए। आपको सर्वथा विश्रांति ग्रहण भी करते रहना चाहिए।

आप उत्तेजनात्मक प्रवृति की उच्च स्तरीय साहसी महिला हैं। आप अनेक मित्रों से भली प्रकार संबंधित रहते हैं तथा आपके लिए उनका संबंध उत्तम है। अतएव आपमें ऐसी आदत नहीं है कि आप अन्यों के साथ किसी भी प्रकार का भ्रामक आचरण करें। आप सुविख्यात हैं। परंतु आपको सतर्कता बरतनी चाहिए, क्योंकि कुछ व्यक्ति आपकों जन सामान्य के साथ अधिक संलग्न समझकर आपकें विरूद्ध अविश्वासनीयता का प्रदर्शन कर सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल एवं अत्यधिक लाभकारी दिन बुधवार शनिवार एवं शुक्रवार का दिन हैं। शेष रविवार, मंगलवार, एवं सोमवार का दिन आपके लिए बाधित एवं प्रतिकूल दिन हैं।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में उत्तम एवं महत्वपूर्ण रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु हर दशा में नारंगी रंग, हरा एवं ब्लू रंग अव्यवहरणीय है।